स्वामी केशवानंद राज. कृषि विवि. का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

एआई के उपयोग से कृषकों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए : मिश्र

मोटे अनाज में राजस्थान करेगा दुनिया का नेतृत्व : प्रो. रामबदनसिंह

■ स्नातक, स्नातकोत्तर व विद्या-वाचस्पति के कुल 1569 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधी ■ 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 03 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से किया गया सम्मानित ■ पहली बार स्नातक विद्यार्थी को भी प्रदान किया गया कुलाधिपति स्वर्ण पदक ■ राज्यपाल ने संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में नवनिर्मित छात्रावास, उच्च जलाशय का भी किया लोकार्पण, कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म,सिंचित क्षेत्र के लिए जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी आरएमओ-2251 के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

दीक्षांत अतिथि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो. राम बदन सिंह ने कहा कि मोटे अनाज से कुपोषण से निपटा जा सकता है और मोटे अनाज के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत राजस्थान में होता है। लिहाजा भविष्य में राजस्थान को ही मोटे अनाज को लेकर विश्व की अगुवाई करनी पड़गी।

विशिष्ट अतिथि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। इससे पूर्व कुलपति डॉ अरूण कुमार ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कुल 1569 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधी

विद्या मंडल सभागार में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातक (यूजी) 2022-23 एवं आईएबीएम, कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातकोत्तर (पीजी) व विद्या-वाचस्पति (पीएचडी) के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए कुल 1569 विद्यार्थियों को उपाधी प्रदान की। इनमें से 1245 छात्र और 324 छात्राएं शामिल हैं। कुल 1569 विद्यार्थियों में से स्नातक के 1346, स्नातकोत्तर के 194 और विद्यावाचस्पति के 29 विद्यार्थियों को उपाधी प्रदान की गई। समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 03 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 19 विद्यार्थियों में से स्नातक के 02, स्नातकोत्तर के 17 और विद्यावाचस्पति का 01 विद्यार्थी शामिल है। खास बात ये कि पहली बार विद्यावाचस्पति विद्यार्थी को भी स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसी प्रकार पहली बार स्नातक विद्यार्थी को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से नवाजा गया।

राज्यपाल ने किए लोकार्पण

इससे पूर्व राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने सर्वप्रथम कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ एम.एस.स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया।

कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विदित है कि ये कृषि ज्ञान रथ एसकेआरएयू के अंतर्गत आने वाले सातों कृषि विज्ञान केन्द्रों (बीकानेर, लूणकरणसर, पदमपुर, चांदगोठी, पोकरण, जैसलमेर और झुंझुनूं) में सात-सात दिन तक रहेंगे और प्रत्येक गांव में जाएंगे। कृषि ज्ञान रथ में मिट्टी व पानी की जांच की व्यवस्था के अलावा उन्नत कृषि प्रदर्शनी लगाई गई है। साथ ही कृषि वैज्ञानिक किसानों को विभिन्न फसलों, बागवानी व पशुपालन संबंधी विभिन्न विधाओं पर जानकारी देंगे।

दो पुस्तकों का किया विमोचन

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय के आईएबीएम(इंस्टिट्यूट ऑफ एग्री बिजनेस मैनेजमेंट) द्वारा प्रकाशित पुस्तक कृषि व्यवसाय- प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में (लेखक- डॉ सत्यवीर सिंह मीणा, डॉ अमिता शर्मा, डॉ अदिति माथुर) व कृषि महाविद्यालय बीकानेर द्वारा प्रकाशित पुस्तक बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक (लेखक- डॉ सुजीत कुमार यादव, कुमारी शौर्य सिंह, कुमारी सृजन यादव, डॉ अरुण कुमार) का विमोचन भी किया।

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण के नवाचारों पर कार्य करे विवि : मिश्र

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि का बीसवां दीक्षांत समारोह

बीकानेर, 11 जून (प्रेम) : राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करें।

राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों

के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई। मिश्र ने कहा, जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरापटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरुशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। पद्मभूषण प्रो. रामबदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किए जाने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति प्रो. बीआर छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। राज्यपाल मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्यामंडप के पास 6.5 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ. एमएस स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। उन्होंने कृषि ज्ञान रथ को हरीझंडी दिखाकर रवाना किया।

दैनिक जलते दीप

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर विश्वविद्यालय कार्य करे : राज्यपाल मिश्र

■ जलतेदीप, जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे।

राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई। मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए

विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया।

मिश्र ने कहा की नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर कृषि विश्वविद्यालय कार्य करे - राज्यपाल मिश्र

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। राज्यपाल कलराज मिश्र ने यह बात स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म,सिंचित क्षेत्र के लिए जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी आरएमओ-2251 के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

समारोह में दीक्षांत अतिथि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो. राम बदन सिंह ने कहा कि मोटे अनाज से कुपोषण से निपटा जा सकता है और मोटे अनाज के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत राजस्थान में होता है। लिहाजा भविष्य में राजस्थान को ही मोटे अनाज को लेकर विश्व की अगुवाई करनी पड़गी। जी-20 सम्मेलन में भी इसको लेकर चर्चा हुई। साथ ही कहा कि बीकानेर जिले की चारों यूनिवर्सिटी एक साथ मिलकर कार्य करे। कृषि को साइंस, तकनीक, इंजीनियरिंग व मैथ्य के साथ ही पढ़ाया जाए। इससे कृषि विषय को ताकत मिलेगी और देश का ही विकास होगा। प्रो. सिंह ने स्टूडेंट्स से हमेशा बड़ा सोचने और सकारात्मक रहने को लेकर प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। इससे पूर्व कुलपति डॉ अरूण कुमार ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कुल 1569 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधी

राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातक (यूजी) 2022-23 एवं आईएबीएम, कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातकोत्तर (पीजी) व विद्या-वाचस्पति (पीएचडी) के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए कुल 1569 विद्यार्थियों को उपाधी प्रदान की। इनमें से 1245 छात्र और 324 छात्राएं शामिल हैं। कुल 1569 विद्यार्थियों में से स्नातक के 1346, स्नातकोत्तर के 194 और विद्यावाचस्पति के 29 विद्यार्थियों को उपाधी प्रदान की गई।

19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व 03 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक -

समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 03 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 19 विद्यार्थियों में से स्नातक के 02, स्नातकोत्तर के 17 और विद्यावाचस्पति का 01 विद्यार्थी शामिल है। खास बात ये कि पहली बार विद्यावाचस्पति विद्यार्थी को भी स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसी प्रकार पहली बार स्नातक विद्यार्थी को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से नवाजा गया।

राज्यपाल ने किए लोकार्पण-

इससे पूर्व राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने सर्वप्रथम कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ एम.एस.स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया।

कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

दो पुस्तकों का किया विमोचन

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय के आईएबीएम(इंस्टिट्यूट ऑफ एग्री बिजनेस मैनेजमेंट) द्वारा प्रकाशित पुस्तक कृषि व्यवसाय- प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में (लेखक- डॉ सत्यवीर सिंह मीणा, डॉ अमिता शर्मा, डॉ अदिति माथुर) व कृषि महाविद्यालय बीकानेर द्वारा प्रकाशित पुस्तक बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक (लेखक- डॉ सुजीत कुमार यादव, कुमारी शौर्य सिंह, कुमारी सृजन यादव, डॉ अरुण कुमार) का विमोचन भी किया।

मानद उपाधि की प्रदान-

समारोह में राज्यपाल द्वारा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो.आर.बी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्जवलन से हुई। अतिथियों का साफा पहनाकर और श्रीफल भेंटकर स्वागत सत्कार किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत व विश्वविद्यालय प्रगति के सोपान फिल्म का प्रदर्शन किया गया। समारोह के आखिर में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने सभी अतिथियों व समारोह में शामिल हुए गणमान्य जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

समारोह में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में बीकानेर पूर्व की विधायक श्रीमती सिद्धी कुमारी, पूर्व मंत्री डॉ बी.डी.कल्ला, संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि, एसपी श्रीमती तेजस्वी गौतम समेत पुलिस व प्रशासन के अधिकारीगण, राजुवास कुलपति प्रो.सतीश कुमार गर्ग, राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए.के.गहलोत, कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विद्यार्थी व उनके परिजन समेत बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन सह आचार्य श्रीमती मंजू राठौड़ ने किया।

dresh Kumari.

there is a need to plant

important.

document of National

document from i

Kalraj Mishra calls for use of AI, digital tech in agriculture field

Laxman Raghav
Bikaner

Kalraj Mishra presenting degree to a student during convocation ceremony of Swami Keshwanand Agricultural University.

Governor Kalraj Mishra said on Tuesday that for the prosperity of Indian agriculture and farmers, universities should do research and innovation work on subjects like marketing, storage, food processing along with agricultural management. Governor Mishra was addressing the twentieth convocation of Swami Keshavanand Rajasthan Agricultural University on Tuesday.

He said that in the age of information and communication technology, universities should use artificial intelligence in agricultural education, research and extension to inform farmers about agricultural techniques and innovations. In view of the geographical disparity and uncontrolled climate of Rajasthan, he also emphasized the use of digital technology for farmers in the direction of drought management. He also expressed the need to increase practical efforts of scientific research in the discovery of organic products and production growth under agricultural education.

Governor Kalraj Mishra conferred degrees to the students.

VP Dhankhar on 2-day Jaisalmer visit from tomorrow

Suryaveer Singh Tanwar
Jaisalmer

Vice President **Jagdeep Dhankhar** is set to arrive in Jaisalmer for a two-day visit on June 13 and 14. During his visit, he will participate in a series of significant events and engagements aimed at bolstering morale and highlighting the dedication of the BSF personnel stationed in the region.

On the first day of his visit, Vice President Dhankhar will attend a program organized by the BSF. Demonstrating his commitment to the armed forces, Dhankhar will spend the night at the border and will pay respects at Tanot Mata temple.

Senior lea

Sachin politic

Laxmikant Sha
Dausa

Congress leader Pilot said on Tues through the gene tions, the people try have given a that politics of sion, revenge, & ination will not

Pilot said that sults of the gene tions have brough mented mandate

"I want to th people of the stat results that have Rajasthan. Thes unexpected. We feated the Bhara nata Party on 1 There was a dou gined gove whether it wa Pradesh, Haryan

SPARKING OPTIMISM

RSWC clears 24K cases; boosts

Kharra discu new delimita

पंजाब केसरी
WED,12 JUNE 2024
EDITION: RAJASTHAN , PAGE NO. 3

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 20वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

बीकानेर, 11 जून (प्रेम) : राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए।

उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई। मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं।

विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करते राज्यपाल कलराज मिश्र। (प्रेम)

उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूसल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरुशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। मिश्र ने कहा की नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सैंटर, इनक्यूबेशन सैंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें। राज्यपाल ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। इस दौरान विश्वविद्यालय: प्रगति के सौपन लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किए जाने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति प्रो. बी.आर. छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। राज्यपाल मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। उन्होंने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान बीकानेर (पूर्व) विधायक सिद्धि कुमारी, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पूर्व मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला, पूर्व कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल और विद्या परिषद सदस्य, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर विश्वविद्यालय कार्य करे: राज्यपाल श्री मिश्र

बीकानेर, 11 जून। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे।

राज्यपाल श्री मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई।

श्री मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरुशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। श्री मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें।

राज्यपाल ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। इस दौरान 'विश्वविद्यालय: प्रगति के सोपान' लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किए जाने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति प्रो. बी. आर. छीपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कृषि

विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। उन्होंने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्यपाल ने 'कृषि व्यवसाय-प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में' और 'बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक' का विमोचन किया।

उन्होंने केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति पद्मभूषण प्रो. आर.बी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छीपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी ने आभार जताया। इस दौरान बीकानेर (पूर्व) विधायक सिद्धि कुमारी, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पूर्व मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला, पूर्व कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल और विद्या परिषद सदस्य, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर विश्वविद्यालय कार्य करे : राज्यपाल मिश्र

जयपुर/बीकानेर, लोकमत सवांद ।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई। मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। श्री मिश्र ने कहा की नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें।

राज्यपाल ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्त्तव्यों का वाचन करवाया। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रगति के सौपन लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किए जाने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति प्रो. बी आर छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

» स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर विश्वविद्यालय कार्य करे - राज्यपाल मिश्र

इबादत न्यूज

बीकानेर, 11 जून। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे।

राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक

अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई।

मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें।

राज्यपाल ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। इस दौरान 'विश्वविद्यालय प्रगति के सौपन' लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। उन्होंने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्यपाल ने 'कृषि व्यवसाय-प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में' और 'बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक' का विमोचन किया। उन्होंने केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति पद्मभूषण प्रो. आर.बी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की।

नगर निकाय एवं पंचायती राज उप चुनाव के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

इबादत न्यूज

चूरू, 11 जून। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान की ओर से घोषित कार्यक्रम के अनुसार 30 जून को स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनावों को सुचारू ढंग से संपादित करवाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) पुष्पा सत्यानी द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि नगर परिषद चूरू के वार्ड 11, नगर पालिका राजगढ़

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर विश्वविद्यालय कार्य करे: राज्यपाल श्री मिश्र

बीकानेर, 11 जून। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे।

राज्यपाल श्री मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई।

श्री मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। श्री मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें।

राज्यपाल ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्त्तव्यों का वाचन करवाया। इस दौरान 'विश्वविद्यालय: प्रगति के सौपन' लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किए जाने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति प्रो. बी. आर. छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। उन्होंने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्यपाल ने 'कृषि व्यवसाय-प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में" और 'बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक'का विमोचन किया।

उन्होंने केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति पद्मभूषण प्रो. आर.बी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी ने आभार जताया। इस दौरान बीकानेर (पूर्व) विधायक सिद्धि कुमारी, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पूर्व मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला, पूर्व कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल और विद्या परिषद सदस्य, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

दैनिक कामयाब कलम
राजस्थान का सबसे तेज बढ़ता अखबार

डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर

राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। वे मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई। उन्होने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। उन्होने कहा की नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें। समारोह में विधायक सिद्धि कुमारी, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पूर्व मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला, पूर्व कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल और विद्या परिषद सदस्य, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

इन्होने भी किया संबोधित

समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किए जाने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति प्रो. बी. आर. छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उन्होंने केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति पद्मभूषण प्रो. आर.बी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी ने आभार जताया।

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर विश्वविद्यालय करें कार्यः राज्यपाल मिश्र

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

हिंदुस्तान से रूबरू

बीकानेर (सुरेश जैन)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करें। राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई।

दीक्षांत समारोह में इन गणमान्यों की रही उपस्थिति

इस दौरान बीकानेर (पूर्व) विधायक सिद्धि कुमारी, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पूर्व मंत्री डॉ बीडी कल्ला, पूर्व कुलपति प्रो. एके गहलोत सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल और विद्या परिषद सदस्य, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन पर नए सिरे से हों शोध

उन्होंने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरुशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

मानव और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर दिया जोर

समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति प्रो. बीआर. छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

19 छात्र स्वर्णपदक व 3 कुलाधिपति स्वर्णपदक से सम्मानित

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्णपदक से सम्मानित किया गया। राज्यपाल मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत र% डॉ. एमएस स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। उन्होंने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्यपाल ने 'कृषि व्यवसाय-प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में' और 'बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक' का विमोचन किया। उन्होंने केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति पद्मभूषण प्रो. आरबी सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बीआर छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी ने आभार जताया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का सोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षकों से अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। राज्यपाल मिश्र ने कहा की नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्ट-अप के लिए विद्यार्थी तैयार करें। राज्यपाल ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। इस दौरान 'विश्वविद्यालय प्रगति के सोपान' लघु फिल्म प्रदर्शित की गई।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर विश्वविद्यालय कार्य करे: राज्यपाल मिश्र

बीकानेर(सुरेश जैन)

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे।

राज्यपाल श्री मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए।

उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई।

श्री मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

*विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्त्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया।

श्री मिश्र ने कहा की नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें।

राज्यपाल ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्त्तव्यों का वाचन करवाया। इस दौरान 'विश्वविद्यालयः प्रगति के सौपन' लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किए जाने पर जोर दिया।

पूर्व कुलपति प्रो. बी. आर. छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। उन्होंने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्यपाल ने 'कृषि व्यवसाय-प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में" और 'बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक'का विमोचन किया।

उन्होंने केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति पद्मभूषण प्रो. आर.बी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी ने आभार जताया। इस दौरान बीकानेर (पूर्व) विधायक सिद्धि कुमारी, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पूर्व मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला, पूर्व कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल और विद्या परिषद सदस्य, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर कृषि विश्वविद्यालय कार्य करे: राज्यपाल मिश्र

राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने स्नातक, स्नातकोत्तर व विद्या-वाचस्पति के कुल 1569 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधी

19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 03 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से किया गया सम्मानित

बीकानेर. कंचन केसरी

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म,सिंचित क्षेत्र के लिए जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी आरएमओ-2251 के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। समारोह में दीक्षांत अतिथि दीक्षांत अतिथि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो. राम बदन सिंह ने कहा कि मोटे अनाज से कुपोषण से निपटा जा सकता है और मोटे अनाज के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत राजस्थान में होता है। लिहाजा भविष्य में राजस्थान को ही मोटे अनाज को लेकर विश्व की अगुवाई करनी पड़गी। जी-20 सम्मेलन में भी इसको लेकर चर्चा हुई। साथ ही कहा कि बीकानेर जिले की चारों यूनिवर्सिटी एक साथ मिलकर कार्य करे। कृषि को साइंस, तकनीक, इंजीनियरिंग व मैथ्य के साथ ही पढ़ाया जाए। इससे कृषि विषय को ताकत मिलेगी और देश का ही विकास होगा। प्रो. सिंह ने स्टूडेंट्स से हमेशा बड़ा सोचने और सकारात्मक रहने को लेकर प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर विश्वविद्यालय कार्य करे : राज्यपाल मिश्र

बुलंद राजस्थान

बीकानेर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे।

राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई। मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किए जाने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति प्रो. बी. आर. छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा : मिश्र

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। मिश्र ने कहा की नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें। राज्यपाल ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। इस दौरान 'विश्वविद्यालय- प्रगति के सौपन' लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। राज्यपाल मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। उन्होंने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्यपाल ने %कृषि व्यवसाय-प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में- और %बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक%का विमोचन किया। उन्होंने केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति पद्मभूषण प्रो. आर.बी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी ने आभार जताया। इस दौरान बीकानेर (पूर्व) विधायक सिद्धि कुमारी, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पूर्व मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला, पूर्व कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल और विद्या परिषद सदस्य, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 12-06-2024

बीकानेर फ्रंट पेज

सूर्यास्त (बुधवार) 07:33 बजे | सूर्योदय (गुरुवार) 05:39 बजे

• स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 20वां दीक्षांत समारोह, 1569 विधार्थियों को मिली उपाधियां

पहली बार स्नातक विद्यार्थी अंकुश कुमार को कुलाधिपति गोल्ड और पीएचडी कृषि में अक्षिका भंवरिया को पहला स्वर्ण पदक

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह में मंगलवार को राज्यपाल कलराज मिश्र के मुख्य आतिथ्य में समारोह सम्पन्न हुआ। विद्या मंडल सभागार में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातक (यूजी) 2022-23 एवं आईएबीएम, कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातकोत्तर (पीजी) व विद्या-वाचस्पति (पीएचडी) के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए कुल 1569 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इनमें से 1245 छात्र और 324 छात्राएं शामिल हैं। कुल 1569 विद्यार्थियों में से स्नातक के 1346, स्नातकोत्तर के 194 और विद्यावाचस्पति के 29 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। समारोह के दौरान 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और तीन विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। 20वें दीक्षांत समारोह में पहली बार स्नातक विद्यार्थी अंकुश कुमार को कुलाधिपति पदक और पीएचडी कृषि में कुमारी अक्षिका भंवरिया को स्वर्ण पदक हासिल हुआ है। दीक्षांत अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो.रामबदन सिंह शामिल हुए। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.अरुण कुमार, कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने भी विचार रखे। बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धी कुमारी, पूर्व मंत्री डॉ बीडी.कल्ला, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर नमत वृष्णि, एसपी तेजस्वी गौतम सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

राज्यपाल बोले- कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर कृषि विवि कार्य करे

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है।

प्रो.सिंह और प्रो.छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि की प्रदान

समारोह में राज्यपाल द्वारा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो.आरबी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बीआर छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई।

इन तीन विद्यार्थियों को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों में सत्र 2021-22 अंतर्गत स्नातकोत्तर कृषि की छात्रा एडलिन प्राजुला जे जी व सत्र 2022-23 अंतर्गत स्नातक कृषि के छात्र अंकुश कुमार व स्नातकोत्तर कृषि के छात्र प्रजवल बिश्नोई शामिल हैं।

इन 19 विद्यार्थियों को मिला स्वर्ण पदक

स्नातक विद्यार्थी अंकुश कुमार व यामिनी सहित पीजी के 17 छात्रों में सत्र 2021-22 की पीजी कृषि की अनुराधा, रश्मि रेखा, अनुज, सुमित्रा एडलिन प्राजुला जे जी, आशा, नायकोटी रागिणी व सत्र 2022-23 की स्नातकोत्तर कृषि की छात्रा कुमारी संपत, हिमानी, अंकिता, पूजा, सिद्धार्थ, प्रजवल, नितिन ए, यशवंत, जम्मू शर्मिला व विद्या वाचस्पति की अक्षिका भवारिया को स्वर्ण पदक दिया गया।

राज्यपाल ने किए लोकार्पण

इससे पूर्व राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने सर्वप्रथम कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ. एमएस स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मोटे अनाज से कुपोषण से निपटा जा सकता है - प्रो.राम बदन सिंह

दीक्षांत अतिथि दीक्षांत अतिथि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो. राम बदन सिंह ने कहा कि मोटे अनाज से कुपोषण से निपटा जा सकता है और मोटे अनाज के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत राजस्थान में होता है। लिहाजा भविष्य में राजस्थान को ही मोटे अनाज को लेकर विश्व की अगुवाई करनी पड़ेगी। जी-20 सम्मेलन में भी इसको लेकर चर्चा हुई। साथ ही कहा कि बीकानेर जिले की चारों यूनिवर्सिटी एक साथ मिलकर कार्य करें। कृषि को साइंस, तकनीक, इंजीनियरिंग व मैथ्य के साथ ही पढ़ाया जाए। इससे कृषि विषय को ताकत मिलेगी और देश का भी विकास होगा। प्रो. सिंह ने स्टूडेंट्स से हमेशा बड़ा सोचने और सकारात्मक रहने को लेकर प्रेरित किया।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि: 20वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल कलराज मिश्र

दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि विद्यार्थी के नवजीवन की शुरुआत- राज्यपाल

कृषि विश्वविद्यालय में समारोह के दौरान उपाधियों और स्वर्ण पदक से नवाजे गए विद्यार्थियों के साथ राज्यपाल एवं अतिथिगण।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. दीक्षांत समारोह जीवन का अभिनव अवसर है। यह शिक्षा का अंत नहीं बल्कि विद्यार्थियों के लिए नवजीवन की शुरुआत है। यह बात राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि. के 20वें दीक्षांत समारोह में कही।

विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित समारोह में राज्यपाल मिश्र ने कहा कि यही वह समय है जब विद्यार्थी विवि में अर्जित शिक्षा, अपनी ऊर्जा और प्राप्त ज्ञान को समाज और राष्ट्र को समर्पित करने के लिए तत्पर होता है। यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले सभी युवा भारत के नव निर्माण के संवाहक बनें। उन्होंने कहा जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं।

राज्यपाल ने मिश्र ने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई की ओर से तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी मिले

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों से कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार, में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए करने पर जोर दिया।

दीक्षांत अतिथि पद्म भूषण प्रो. रामबदन सिंह ने कहा कि देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किया जाए। पूर्व कुलपति प्रो. बीआर छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई।

21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि समारोह में 1569 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। साथ ही 21 विद्यार्थियों अनुराधा यादव, रश्मि रेखा, अनुज गोदारा, सुमित्रा कुमावत, एंडलिन प्राजुला जे ज़ी, आशा कुमारी, नायकोटी रागिणी, अंकुश कुमार, यामिनी सारस्वत, सम्पत चौधरी, हिमानी, अंकित, पूजा सिहाग, सिद्धार्थ राजपूत, प्रज्ज्वल बिश्नोई, नितिन कुमार ए. यशवंत सिंह राठौड़, जम्मू शर्मिला, अशिका भावरियां को स्वर्ण पदक और 3 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किए। पद्मभूषण प्रो. आरबी सिंह व पूर्व कुलपति प्रो. बीआर छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की।

गर्मी से होते रहे परेशान

समारोह के दौरान सभागार में बैठे लोग गर्मी और उमस से परेशान होते रहे। कूलिंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से पसीने छूटने लगे। ऐसे में विधायक और पूर्व विधायक तक को अपनी सीट तक बदलनी पड़ी। हालांकि बाद में विवि प्रशासन ने एक कूलर लगवाया।

विधायक समेत यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में बीकानेर पूर्व क्षेत्र की विधायक सिद्धी कुमारी, राजुवास कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि, कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी, कांग्रेस नेता डॉ बी.डी. कल्ला, डॉ. एके गहलोत, मंजू राठौड़, प्रो. आरके धूड़िया आदि शामिल हुए।

[7:41 pm, 11/06/2024] Suresh Ji PRO SKRAU: प्रेस नोट
स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
Date- 11.06.2024

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित*
कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर कृषि विश्वविद्यालय कार्य करे - राज्यपाल श्री मिश्र
राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने स्नातक, स्नातकोत्तर व विद्या-वाचस्पति के कुल 1569 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधी
19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 03 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से किया गया सम्मानित
पहली बार स्नातक विद्यार्थी को भी प्रदान किया गया कुलाधिपति स्वर्ण पदक
विद्या-वाचस्पति विद्यार्थी को भी पहली बार प्रदान किया गया स्वर्ण पदक
राज्यपाल ने संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में नवनिर्मित छात्रावास, उच्च जलाशय का भी किया लोकार्पण , कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का किया विमोचन

बीकानेर, 11 जून। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। राज्यपाल श्री मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए।

उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म,सिंचित क्षेत्र के लिए जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी आरएमओ-2251 के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा
राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है।

समारोह में दीक्षांत अतिथि दीक्षांत अतिथि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो. राम बदन सिंह ने कहा कि मोटे अनाज से कुपोषण से निपटा जा सकता है और मोटे अनाज के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत राजस्थान में होता है। लिहाजा भविष्य

में राजस्थान को ही मोटे अनाज को लेकर विश्व की अगुवाई करनी पड़गी। जी-20 सम्मेलन में भी इसको लेकर चर्चा हुई। साथ ही कहा कि बीकानेर जिले की चारों यूनिवर्सिटी एक साथ मिलकर कार्य करे। कृषि को साइंस, तकनीक, इंजीनियरिंग व मैथ्य के साथ ही पढ़ाया जाए। इससे कृषि विषय को ताकत मिलेगी और देश का ही विकास होगा। प्रो. सिंह ने स्टूडेट्स से हमेशा बड़ा सोचने और सकारात्मक रहने को लेकर प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। इससे पूर्व कुलपति डॉ अरूण कुमार ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कुल 1569 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधी

विद्या मंडल सभागार में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातक (यूजी) 2022-23 एवं आईएबीएम, कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातकोत्तर (पीजी) व विद्या-वाचस्पति (पीएचडी) के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए कुल 1569 विद्यार्थियों को उपाधी प्रदान की। इनमें से 1245 छात्र और 324 छात्राएं शामिल हैं। कुल 1569 विद्यार्थियों में से स्नातक के 1346, स्नातकोत्तर के 194 और विद्यावाचस्पति के 29 विद्यार्थियों को उपाधी प्रदान की गई।

19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व 03 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक -

समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 03 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 19 विद्यार्थियों में से स्नातक के 02, स्नातकोत्तर के 17 और विद्यावाचस्पति का 01 विद्यार्थी शामिल है। खास बात ये कि पहली बार विद्यावाचस्पति विद्यार्थी को भी स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसी प्रकार पहली बार स्नातक विद्यार्थी को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से नवाजा गया।

इन 19 विद्यार्थियों को मिला स्वर्ण पदक-

स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में स्नातक विद्यार्थी अंकुश कुमार व कुमारी यामिनी सारस्वत है। वहीं स्नातकोत्तर के 17 विद्यार्थियों में सत्र 21-22 की स्नातकोत्तर कृषि की छात्रा अनुराधा यादव, रश्मि रेखा, अनुज गोदारा, सुमित्रा कुमावत, एडलिन प्राजुला जे जी, आशा कुमारी, नायकोटी रागिणी व सत्र 2022-23 के अंतर्गत स्नातकोत्तर कृषि की छात्रा कुमारी संपत चौधरी, हिमानी, अंकिता, पूजा सिहाग, सिद्धार्थ राजपूत, प्रज्जवल बिश्नोई, नितिन कुमार ए, यशवंत सिंह राठौड़, जम्मु शर्मिला व विद्या वाचस्पति (कृषि) की कुमारी अक्षिका भवारियां शामिल हैं।

इन 03 विद्यार्थियों को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक-

कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों में सत्र 2021-22 अंतर्गत स्नातकोत्तर कृषि की छात्रा एडलिन प्राजुला जे जी व सत्र 2022-23 अंतर्गत स्नातक कृषि के छात्र अंकुश कुमार व स्नातकोत्तर कृषि के छात्र प्रज्जवल बिश्नोई शामिल हैं।

राज्यपाल ने किए लोकार्पण-

इससे पूर्व राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने सर्वप्रथम कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विद्या मंडप के पास 6.5 लाख की लागत से नवनिर्मित संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भारत रत्न डॉ एम.एस.स्वामीनाथन छात्रावास व 35 लाख की लागत से निर्मित उच्च जलाशय का लोकार्पण किया।

कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना-

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कृषि ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विदित है कि ये कृषि ज्ञान रथ एसकेआरएयू के अंतर्गत आने वाले सातों कृषि विज्ञान केन्द्रों (बीकानेर, लूणकरणसर, पदमपुर, चांदगोठी, पोकरण, जैसलमेर और झुंझुनूं) में सात-सात दिन तक रहेंगे और प्रत्येक गांव में जाएंगे। कृषि ज्ञान रथ में मिट्टी व पानी की जांच की व्यवस्था के अलावा उन्नत कृषि प्रदर्शनी लगाई गई है। साथ ही कृषि वैज्ञानिक किसानों को विभिन्न फसलों, बागवानी व पशुपालन संबंधी विभिन्न विधाओं पर जानकारी देंगे।

दो पुस्तकों का किया विमोचन-

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय के आईएबीएम(इंस्टिट्यूट ऑफ एग्री बिजनेस मैनेजमेंट) द्वारा प्रकाशित पुस्तक ''कृषि व्यवसाय- प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में'' (लेखक- डॉ सत्यवीर सिंह मीणा, डॉ अमिता शर्मा, डॉ अदिति माथुर) व कृषि महाविद्यालय बीकानेर द्वारा प्रकाशित पुस्तक ''बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक'' (लेखक- डॉ सुजीत कुमार यादव, कुमारी शौर्य सिंह, कुमारी सृजन यादव, डॉ अरुण कुमार) का विमोचन भी किया।

मानद उपाधि की प्रदान-

समारोह में राज्यपाल द्वारा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो.आर.बी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्जवलन से हुई। अतिथियों का साफा पहनाकर और श्रीफल भेंटकर स्वागत सत्कार किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत व विश्वविद्यालय प्रगति के सोपान फिल्म का प्रदर्शन किया गया। समारोह के आखिर में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने सभी अतिथियों व समारोह में शामिल हुए गणमान्य जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

समारोह में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में बीकानेर पूर्व की विधायक श्रीमती सिद्धी कुमारी, पूर्व मंत्री डॉ बी.डी.कल्ला, संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि, एसपी श्रीमती तेजस्वी गौतम समेत पुलिस व प्रशासन के अधिकारीगण, राजुवास कुलपति प्रो.सतीश कुमार गर्ग, राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए.के.गहलोत, कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विद्यार्थी व उनके परिजन समेत बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन सह आचार्य श्रीमती मंजू राठौड़ ने किया।
[7:42 pm, 11/06/2024] Suresh Ji PRO SKRAU: दो पुस्तकों का किया विमोचन-

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कृषि विश्वविद्यालय के आईएबीएम(इंस्टिट्यूट ऑफ एग्री बिजनेस मैनेजमेंट) द्वारा प्रकाशित पुस्तक ''कृषि व्यवसाय- प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में'' (लेखक- डॉ सत्यवीर सिंह मीणा, डॉ अमिता शर्मा, डॉ अदिति माथुर) व कृषि महाविद्यालय बीकानेर द्वारा प्रकाशित पुस्तक ''बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों पर पाठ्य पुस्तक'' (लेखक- डॉ सुजीत कुमार यादव, कुमारी शौर्य सिंह, कुमारी सृजन यादव, डॉ अरुण कुमार) का विमोचन भी किया।

मानद उपाधि की प्रदान-
समारोह में राज्यपाल द्वारा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो.आर.बी.सिंह व स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा को डॉक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्जवलन से हुई। अतिथियों का साफा पहनाकर और श्रीफल भेंटकर स्वागत सत्कार किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत व विश्वविद्यालय प्रगति के सोपान फिल्म का प्रदर्शन किया गया। समारोह के आखिर में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने सभी अतिथियों व समारोह में शामिल हुए गणमान्य जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

समारोह में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में बीकानेर पूर्व की विधायक श्रीमती सिद्धी कुमारी, पूर्व मंत्री डॉ बी.डी.कल्ला, संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी, जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि, एसपी श्रीमती तेजस्वी गौतम समेत पुलिस व प्रशासन के अधिकारीगण, राजुवास कुलपति प्रो.सतीश कुमार गर्ग, राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए.के.गहलोत, कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विद्यार्थी व उनके परिजन समेत बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन सह आचार्य श्रीमती मंजू राठौड़ ने किया।